(b) The amount spent is as under;—

Year	Bombay	Calcutta (Rs. in likhs)	Madras
1985-86	418.32	586.00	1050.57
1986-87	942.08	617.00	2200.53
1987-88	165[.03	750-03	1235-35
1988-89 (likely)	2470-42	1135.00	3498.73

(c) Will depend upon the budget provisions and pace of implementation.

(d) I. Delhi.

(1) 20185 flats constructed under Slum Clearance Scheme. (2) 13 night shelter are being operated and 3,000 people are taking advantage of stay at night. (3) 4.13 lakh jhuggie dwellers have be ^n covered by provision of facilities under the scheme of environment improvement in jhuggie clusters.

II. Bombay.

(1) Environmental improvement don$_e$ for 89,,500, 1,84;000 and 1,89,000 persons during the years 1985-86; 1986-87 and 1987-88 respec tively.

(2) 1073 and 8204 plots developed during the years 1985-86 and 1986-87 respectively and 9191 Pl^{Qt}s and 133 pitches developed during the year 1987-88.

m. Calcutta**.**

(1) 260, 1269 and 200 houses cons tructed for the poor during the years 1985-86, 1986-87 and 1987-88 respec tively.

(2) Environmental improvement done for 1,20,000 73,370 and 43,280 persons during the years 1985-86, 1986-87 and 1987-88 respectively.

(3) 593 plots developed during the year 1985-86 and 3,377 plots provided to the poo$_r$ during the years 1986-87. and 1987-88.

IV. Madas.

(1) 3012, 4688 and 2800 houses cons tructed for the poor during the years 1985-86, 1986-87 and 1987-88 respec tively.

(2) Environmental improvement of urban slum affected for 3570, 5600 and 8000 units during the years 1985-86, 1986-87and 1987-88 respectively.

(3) 9.995, 12,650 and 7,723 plots developed during the years 1986-86, 1986-87 and 1987-88 respectively.

अनाज का सुरक्षित भंडार

457. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :
श्री राम जेठमलानी :

क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अनाज का सुरक्षित भंडार 10 मिलियन टन रखना निश्चित किया गया है,

(ख) यदि हां, तो नवम्बर 1988 में इस भंडार में कुल कितना अनाज था;

(ग) क्या यह सच है कि देश में अनाज के उत्पादन में वर्षवार निरंतर वृद्धि होने के बावजूद सरकारी अन्न भंडार में किसानों का योगदान अपेक्षाकृत कम रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार अपनी कृषि मूल्य नीति पर पुन: विचार करेगी जिससे किसान अपना अधिक से अधिक उत्पादन सरकारी क्षेत्र को बेचे ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उप मंत्री (श्री डी० एल० बैठा) : (क) जी हां ।

(ख) सरकारी एजेन्सियों के पास 30-11-1988 की स्थिति के अनुसार बफर स्टाक सहित गेहूं और चावल का कुल 87.3 लाख मीटरी टन का स्टाक था ।

(ग) खाद्यान्नों के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि की कोई प्रवृत्ति नहीं दिखाई देती है । तथापि, 1987-88 के सूखे के वर्षों को छोड़कर वसूली सामान्यतया उत्पादन की प्रवृत्ति का अनुसरण कर रही है ।

(घ) कृषि उत्पाद की मूल्य नीति का उद्देश्य उत्पादकों को उपज के लाभकारी मूल्य देना सुनिश्चित करना है तथा इस नीति की समीक्षा की जाती है और वर्ष में प्रत्येक मौसम के लिए इसकी घोषणा की जाती है ।

दिल्ली दुग्ध योजना और मदर डेयरी द्वारा दूध के मूल्यों में वृद्धि

458. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली दुग्ध योजना और मदर डेयरी के दूध के दामों में अभी हाल ही में भारी वृद्धि की गयी है जिससे दिल्ली के लोगों को सस्ती दरों पर दूध उपलब्ध कराने का इन दोनों संगठनों का उद्देश्य विफल हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो मूल्यों में कितने प्रतिशत वृद्धि की गयी और क्या इस मूल्य वृद्धि के कारण प्राप्त धनराशि का अंश दूध उत्पादकों को दिया गया ;

(ग) यदि हां तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या इन संगठनों के प्रशासनिक एवं प्रबन्ध पर होने वाले व्यय में कटौती करने के लिए कोई कदम उठाये गए हैं, यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्याम लाल यादव) : (क) दोनों महानगरीय डेरियां अर्थात दिल्ली दुग्ध योजना और मदर डेयरी, दिल्ली उपभोक्ताओं को इस तरीके से उपलब्ध कराने के लिए स्थापित की गई है जो ग्रामीण दुग्ध शालाओं में सहकारी तंत्र के जरिए दूध की आपूर्ति करने वाले ग्रामीण उत्पादकों को दिए गए वचन के अनुरूप हो । उनके निरन्तर सक्षम ढंग से सही परिचालन के आधार पर कार्य करने की अपेक्षा की जाती है । दोनों डेरियों द्वारा की गयी मूल्य वृद्धि उपरोक्त उद्देश्यों के अनुरूप थी ।

(ख) और (ग) दिल्ली दुध योजना और मदर डेयरी द्वारा विपणित दुग्ध की कीमतों में बढ़ोत्तरी की प्रतिशतता निम्नलिखित है :—

	प्रतिशत बढ़ोत्तरी
दिल्ली दुग्ध योजना	36.3
मदर डेयरी	42.8